रयत शिक्षण संस्था का,

कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय,पंढरपुर

(स्वायत्त महाविद्यालय)

एम् .ए. प्रथम वर्ष हिंदी

Hard core Compulsory Paper

प्रश्नपत्र III – प्रयोजनमूलक हिंदी (KBP-A-PG- HIN- 113)

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

अध्यापन वर्ष जुन- २०२1 से

रयत शिक्षण संस्था का,

कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय,पंढरपुर

(स्वायत्त)

एम् .ए. प्रथम वर्ष हिंदी

Hard core Compulsory Paper

प्रश्नपत्र III – प्रयोजनमूलक हिंदी (KBP-A-PG- HIN- 113)

प्रथम सत्र

पाठ्यक्रम

अध्यापन वर्ष जुन- २०२०

उद्देश्य –

१. छात्रों में प्रयोजनविषयक जिज्ञासा निर्माण करना |

२. छात्रों को प्रत्यक्ष जीवन में व्यावहारिक ज्ञान से अवगत करना |

३. छात्रों को नए विचारों से समृध्द करना |

साध्य –

१. छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी के उद्भव और विकास से अवगत हुए।

२. छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी की विविध विभागों से परिचित हुए।

३. छात्रों में प्रयोजन दृष्टि विकसित हुई।

४. छात्रों में सामाजिक मूल्य तथा संवेदना विकसित हुई।

५. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिला।

पाठ्यक्रम

इकाई 1. कामकाजी हिंदी का स्वरूप-

1. मातृभाषा
2. राजभाषा
3. संपर्क भाषा
4. संचार भाषा
5. सर्जनात्मक भाषा

- वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी |

इकाई 2. राजभाषा विषयक संविधानिक प्रावधान

राजभाषा के संविधान के तहत अनुच्छेदों (३४३ से ३५१ तक) का विवरण विविध समितियों द्वारा सुधारित प्रावधान |

राजभाषा अधिनियम १९६३ (यथा संशोधित १९६७)

राजभाषा नियम १९७६

हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति

अंतर्राष्टीय स्तर पर हिंदी, हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका

3 कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा के प्रमुख कार्य) –

प्रारूपण: अर्थ परिभाषा एवं महत्व, प्रारूपण के अंग और विशेताएँ

विज्ञापन :अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप, विज्ञापन लेखन, विज्ञापन अनुवाद

4 पारिभाषिक शब्दावली :

परिभाषा स्वरूप एवं महत्व

ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक श्बदावली तथा वाक्यांश

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजन मूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन ५७-पी, कुंज विहार- ११ (यशोदानगर) कानपुर – २०८ ०११
2. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-२००९
3. प्रयोजन मूलक हिंदी – विजयपाल सिंह, हिंदी बुक सेंटर दिल्ली, प्रकाशन -२००९
4. प्रयोजनमूलक हिदी : सिद्धांत एवं प्रयोग- झाल्टे दंगल, वाणी प्रकाशन,दिल्ली २००४
5. राजभाषा हिंदी- कैलाशचन्द्र भाटिया, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली १९९६